इन्वेस्ट यूपी ने जीसीसी एवं उच्च-मूल्य सेवाओं में निवेश को बढ़ाने के लिए सिंगापुर में अपने रणनीतिक संवाद सुदृढ़ किए

उत्तर प्रदेश ने सिंगापुर में रणनीतिक बैठकों के माध्यम से वैश्विक निवेश प्रयासों को नई गति प्रदान की

उच्च-स्तरीय संवादों के माध्यम से इन्वेस्ट यूपी ने जीसीसी एवं प्रौद्योगिकी निवेश को प्रोत्साहित किया

सिंगापुर, दिसम्बर 2025: इन्वेस्ट यूपी ने सिंगापुर में अपने केंद्रित अंतरराष्ट्रीय निवेश-संपर्क अभियान को आगे बढ़ाते हुए ऐसे रणनीतिक संवाद आयोजित किए, जिनका उद्देश्य ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs), आईटी एवं आईटीईएस क्षेत्र तथा उच्च-मूल्य सेवाओं में निवेश को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करना है। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री शशांक चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीबीएस बैंक और सिंगापुर बिज़नेस फेडरेशन (SBF) के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें कीं, जिनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं तथा वैश्विक कॉरपोरेट ऑपरेशन के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

डीबीएस बैंक की एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर, गवर्नमेंट लिंक्ड कॉरपोरेशंस इंस्टीट्यूशनल बैंकिंग ग्रुप, सुश्री मिशेल टियो के साथ हुई उच्च-स्तरीय बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश की दूरदर्शी जीसीसी नीति तथा विशाल स्तर पर प्रौद्योगिकी-संचालित सेवाओं को विकसित करने हेतु प्रदान किए जा रहे प्रोत्साहनों को प्रस्तुत किया। डिजिटल नवाचार एवं सतत् विकास के लिए विश्वभर में प्रतिष्ठित डीबीएस बैंक ने गहरी रुचि व्यक्त की तथा संस्थागत बैंकिंग क्षेत्र में उभरती प्राथमिकताओं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा एवं सतत् वित्त, पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। इस संवाद से संभावित सहयोग के नए अवसर खुलेंगे तथा इन्वेस्ट यूपी ने डीबीएस को प्रोत्साहित किया कि वह अपने विस्तृत क्लाइंट नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की नीतिगत सुविधाओं का प्रसार करे।

प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर बिज़नेस फेडरेशन के सीनियर मार्केट एडवाइज़र, श्री अमरप्रीत सिंह से भी भेंट की। यह फेडरेशन सिंगापुर का शीर्ष व्यावसायिक संगठन है, जो 32,000 से अधिक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। बैठक में उत्तर प्रदेश के विस्तृत हो रहे अवस्थापना तंत्र एक्सप्रेसवे, औद्योगिक नोड्स, आईटी पार्क तथा एकीकृत टाउनशिप के साथ-साथ राज्य की विशाल, दक्ष एवं लागत-प्रतिस्पर्धी जनशक्ति के रूप में उपलब्ध जनसांख्यिकीय लाभों पर विस्तृत चर्चा हुई।

इन्वेस्ट यूपी ने कौशल कनेक्ट सेल को भी रेखांकित किया, जो आईटी, आईटीईएस, बीएफएसआई एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए उद्योग-उन्मुख कौशल विकास सुनिश्चित करने हेतु स्थापित एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की निवेशक-हितैषी नीतियों, प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहनों तथा 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' को सुदृढ़ करने के लिए प्रदान की जा रही व्यापक सुविधा-सेवाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया, जिससे वैश्विक सेवा केंद्रों हेतु एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो रहा है।

दोनों बैठकों में गहन सहयोग के नए मार्गों जैसे क्षेत्र-विशिष्ट परिचर्चाएं, लक्षित निवेश प्रतिनिधिमंडल पर चर्चा हुई, जिससे संभावित रुचि को वास्तविक निवेश में परिवर्तित किया जा सके। इन संवादों ने यह पुष्टि की कि उत्तर प्रदेश, अपने सुदृढ़ विनिर्माण आधार के साथ-साथ, एक सतत् तथा भविष्य-उन्मुख सेवाक्षेत्र अर्थव्यवस्था के निर्माण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

तेजी से विकसित हो रहे अवस्थापना ढाँचे, सुधार-प्रधान शासन व्यवस्था तथा समृद्ध प्रतिभा-संसाधन के साथ उत्तर प्रदेश वैश्विक कंपनियों के लिए जीसीसी, प्रौद्योगिकी केन्द्रों एवं उच्च-मूल्य सेवाओं के संचालन स्थापित करने हेतु एक आशाजनक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।